33/20 जुगल किशोर / सुनील

17.1.25

वकलान उभय पक्षों को सुना। निगरानी विस्तृत विवेचन से लायक खारिज की पाई जाती है, के अनुसार प्रस्तुत प्रा. पत्र भी खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार हो। नंबर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

17.1.25

अपर कलक्टर, नागौर